सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 12 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 214, पृष्ठः 8+4

इनसाइड यमुना में नहाते समय डूबे दो भाई-बहन की मौत... » Pg 03

'मुझसे पंगा नहीं लेंगे, पहले 2 मिनट में ही पता चल जाएगा...'

» Pg 12

मकबरा या मंदिर? फतेहपुर में हुए बवाल के बाद पुलिस एक्शन में

बीजेपी-सपा और हिंदू संगठन से जुड़े लोगों पर एफआईआर, भारी फोर्स तैनात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। फतेहपुर जिले के अबू नगर मोहल्ले में एक मंदिर और मकबरे को लेकर विवाद गहरा गया है। हिंदू संगठन इस मकबरे को हजारों साल पुराना भगवान शिव और श्रीकृष्ण का मंदिर होने का दावा कर रहे हैं। वे इस मकबरे में पूजा-पाठ करने पर अड़े हैं। जबकि, मुस्लिम पक्ष इसे नवाब अब्दुल समद का मकबरा बता रहा है। इस बीच बीते सोमवार को सैकड़ों की संख्या में हिंदू पक्ष के लोग मकबरे में घुस गए और तोड़फोड़ की। जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए मौके पर भारी फोर्स तैनात कर दी गई है साथ ही बवालियों पर अब एक्शन लिया जा रहा है।

बीते दिन हुए उपद्रव को लेकर फतेहपुर पुलिस ने स्थानीय बीजेपी नेता, बजरंग दल के नेता और सपा नेताओं

समेत दर्जनों लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि बीजेपी जिला अध्यक्ष मुखलाल पाल की अगुवाई में ही मकबरे में पूजा करने के लिए हिंदू संगठन बढ़े थे।

ऑन कैमरा भी बीजेपी जिला अध्यक्ष ने माना था कि उनकी अगवाई में ही हिंदू संगठनों ने मकबरे में घुसकर पूजा की थी। हालांकि, उनका नाम अभी एफआईआर में नहीं है। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद बवालियों पर सख्त से सख्त एक्शन लेने की बात कही है।

वायरल वीडियो के मुताबिक, मकबरे में घुसकर पूजा करने में हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज त्रिवेदी भी थे। मनोज त्रिवेदी का वीडियो भी सामने आया है। मनोज त्रिवेदी ने कहा कि वो वहां गए थे और पूजा की थी। क्योंकि, यह मकबरा नहीं हमारे ठाकुर जी का मंदिर है। मगर हिंदू महासभा के मनोज त्रिवेदी का नाम पुलिस की एफआईआर में नहीं है। नामजद आरोपियों में अभिषेक शुक्ला, धर्मेंद्र सिंह, आशीष त्रिवेदी, पप्पू सिंह चौहान, प्रसून तिवारी, ऋतिक पाल, विनय तिवारी, सभासद पुष्पराज पटेल, अजय सिंह उर्फ रिंकू लोहारी, देवनाथ धाकड़े का आदि लोगों नाम शामिल है. एफआईआर में नामजद किए गए पुष्पराज पटेल फतेहपुर जिले में बीजेपी के महामंत्री हैं। जबकि, नामजद आरोपियों में पप्पू सिंह चौहान सपा से जुड़े हैं। धर्मेंद्र सिंह जनसेवक बजरंग दल के जिला संयोजक हैं, प्रसून तिवारी बीजेपी युवा मोर्चा के जिला महामंत्री हैं।

उग्र प्रदर्शन की तैयारी के साथ आए थे लोग

आरोप है कि शांतिपूर्ण ढंग से नहीं बल्कि उग्र प्रदर्शन की तैयारी के साथ बीजेपी और हिंदू संगठन के लोग जुटे थे। फतेहपुर शहर कोतवाली में दर्ज हुई एफआईआर में इसका खुलासा हुआ है। इसके अनुसार, बीजेपी और हिंदू संगठन के लोग हाथ में झंडा, डंडा, लाठी, बल्ली लेकर मकबरे को तोड़ने की नीयत से घटनास्थल पहुंचे थे। इस दौरान चारों तरफ लगी बेरिकेटिंग को तोड़कर पुलिस कर्मचारियों को धक्का देकर मकबरे के अंदर बनी मजारों को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त किया गया।

मामले में राजनीति तेज

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटना को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है, जबकि डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। जबकि, मायावती ने कहा कि इस विवाद में सरकार को किसी भी समुदाय को ऐसा कोई कदम उठाने की इजाजत नहीं देनी चाहिए जिससे वहां सांप्रदायिक तनाव पैदा हो या आपसी भाईचारा व सौहार्द बिगड़े।

शर्मनाक शिक्षा से संबंधित समस्याओं पर चल रही थी गूगल मीट, लिंक से जुड़े थे कई अफसर, शिक्षक व लोग

गूगल मीट के बीच में चलने लगा अश्लील वीडियो, सकपका गए डीएम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

महराजगंज। यूपी के महराजगंज में बेसिक शिक्षा की समस्याओं के समाधान व बुनियादी सुविधाओं पर चर्चा के लिए कलक्ट्रेट के एनआईसी में गूगल मीट के माध्यम से आयोजित ई-चौपाल में एक शरारती तत्व ने लिंक के माध्यम से जुड़ने के बाद अश्लील वीडियो चला दिया। ई-चौपाल में डीएम समेत बेसिक शिक्षा के कई अधिकारी, शिक्षक व लोग भी जुड़े थे। अश्लील वीडियो चलने से असहज स्थिति उत्पन्न हो गई। इस मामले में बीएसए के आदेश पर बीईओ फरेंदा ने कोतवाली में तहरीर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह घटना बीते सात अगस्त की है। कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बीईओ फरेंदा ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग की समस्याओं पर जन सुनवाई के लिए ई-चौपाल लगाया गया था। इसमें विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे। चर्चा के दौरान जाशन जेआर नाम के अज्ञात व्यक्ति ने लिंक के माध्यम से अपने एकाउंट से अश्लील वीडियो चला दिया। अर्जुन नाम का एक व्यक्ति अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा। इस आपत्तिजनक स्थिति पर कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपित जाशन जेआर व अर्जुन नाम-पता अज्ञात के खिलाफ आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज की है। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार रॉय ने बताया कि आरोपितों का पता लगाने में साइबर टीम जुट गई है। जल्द ही आरोपितों पर कार्रवाई की जाएगी।

"ई-चौपाल में अश्लील वीडियो चलाने वाले आरोपित व गाली-गलौज करने वाले शख्स के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपितों का पता लगा विधिक कार्रवाई होगी। -सिद्धार्थ, एएसपी

बरसते पानी में चुनाव आयोग का पुतला फूंका, कांग्रेसियों का फूटा गुस्सा

कई कार्यकर्ता झुलसे, राहुल-प्रियंका-अखिलेश की गिरफ्तारी पर जताया आक्रोश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही कानपुर नगर ग्रामीण कांग्रेस में उबाल आ गया। ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने चेतना चौराहे पर बरसते पानी के बीच जोरदार नारेबाजी करते हुए चुनाव आयोग का पुतला फूंक दिया।पुतला दहन के दौरान युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष अब्दुल माबूद सिद्दीकी, बाबू राम सोनकर, नफीस अहमद और प्रतीक शर्मा के हाथ झुलस गए।

इस मौके पर वोट चोर गद्दी छोड़, चुनाव आयोग मुर्दाबाद, राहुल-प्रियंका जिंदाबाद जैसे नारे गूंजते रहे।

अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्था होने के बावजूद चुनाव आयोग असंवैधानिक कार्य कर रहा है और जनादेश की हेराफेरी कर भाजपा को फायदा पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या है और कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर विरोध जारी रखेंगे।

प्रदर्शन में शशिकांत दीक्षित, बूटा सिंह, सतीश दीक्षित, अजीत यादव, ईखलाक अहमद डेविड, देवी प्रसाद निषाद, कृपेश त्रिपाठी, रामचंद्र गुप्ता, दिव्यता बाजपेई, विक्रम स्वरुप अवस्थी, तिलक चंद्र कुरील, एजाज राशिद, राजेंद्र बाल्मीकि, आजाद बौद्ध, अपूर्व अवस्थी, अंकित कन्नौजिया, शुभम राजपूत, चंद्र मौली बाजपेई सहित कई कांग्रेसजन मौजूद रहे।

हैलेट अस्पताल की लापरवाही से युवक की मौत, वार्ड बॉय और नर्स पर आरोप

» इलाज न मिलने पर परमट निवासी अकाउंटेंट की गई जान, पिता से की अभद्रता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर के हैलेट अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की पोल एक बार फिर खुल गई। परमट निवासी 35 वर्षीय कुलदीप शुक्ला की पेट दर्द के चलते इलाज में लापरवाही के कारण मौत हो गई।

कुलदीप पेशे से एक प्राइवेट कंपनी में अकाउंटेंट थे और पत्नी व बेटे के साथ संयुक्त परिवार में रहते थे।परिजनों के अनुसार कुलदीप को पेट दर्द के कारण इमरजेंसी वार्ड (13, बेड नंबर 8) में भर्ती किया गया था। वहां मौजूद वार्ड बॉय और नर्स समय पर विगो (ड्रिप लाइन) नहीं लगा पाए। कई कोशिशों के बाद भी इलाज शुरू नहीं हुआ। जब मृतक के पिता ने सवाल उठाया तो अस्पताल कर्मियों ने अभद्रता की और बिना इलाज किए मरीज़ को छोड़ दिया।

कुलदीप पूरी रात दर्द से तड़पते रहे और अगले दिन उनकी मौत हो गई। मामले में मेडिकल कॉलेज की उपप्रधानाचार्य डॉ. रिचा गिरी सहित ज़िम्मेदार चिकित्सकों ने चुप्पी साध ली है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले डॉ. संजय काला ने दावा किया था कि केजीएमयू से आए चिकित्सा अधिकारियों ने हैलेट अस्पताल की सुविधाओं और चिकित्सकों पर सही रिपोर्ट दी है।

इसके बावजूद इतनी बड़ी लापरवाही ने अस्पताल प्रशासन के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

खेत में मिला युवक का लहूलुहान शव, हत्या की आशंका

» जुए की फड़ से जुड़ा बताया जा रहा विवाद

» सिर और नाक से बह रहा था खून

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। महाराजपुर के सलेमपुर गांव में रविवार शाम एक युवक का लहूलुहान शव खेत में मिला। मृतक की पहचान 25 वर्षीय सौरभ के रूप में हुई, जो प्राइवेट कंपनी में काम करता था। परिजनों के अनुसार सौरभ दोपहर घर से निकला था और देर शाम सलेमपुर बाजार के पास टावर के नीचे खेत में मृत पड़ा मिला। मामा दिग्विजय ने बताया कि टावर के नीचे अक्सर जुए की फड़ सजती थी और सौरभ वहां गया था, जिसके बाद वह लौटकर घर नहीं आया।

ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। स्वजन का आरोप है कि जुए में हार-जीत के विवाद के चलते सौरभ की हत्या की गई है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल की जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सौरभ के सिर और नाक से खून निकल रहा था, जिससे हत्या की आशंका और गहरी हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यमुना में नहाते समय डूबे दो भाई-बहन की मौत, मचा कोहराम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। घाटमपुर में यमुना नदी में नहाते समय सगे भाई-बहन की डूबकर मौत हो गई। घटना की सूचना पर एसडीएम अबिचल प्रताप सिंह पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और सांत्वना दी।

कानपुर के घाटमपुर क्षेत्र में यमुना नदी में नहाते समय डूबने से सगे भाई-बहन की मौत हो गई। दोनों अपने पिता भूपेंद्र सिंह के साथ कानपुर देहात के गजनेर थाना क्षेत्र के जुनिया गांव से घाटमपुर के रेउना थाना क्षेत्र के कटरी गांव के पास नहाने आए थे।

एसडीएम ने दी परिजनों को सांत्वना, हर संभव मदद का आश्वासन

पिता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि नहाते समय उनका एक बच्चा डूबने लगा।

उसे बचाने के प्रयास में वह खुद गहरे पानी में चले गए, जिससे दोनों बच्चे आध्या (11) और विश्वनाथ (6) डूब गए। हादसे के बाद परिजन दोनों बच्चों को लेकर सीएचसी पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर एसडीएम अबिचल प्रताप सिंह भी सीएचसी पहुंचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी।

मिली जानकारी के अनुसार, भूपेंद्र सिंह लखीमपुर की एक शुगर मिल में काम करते हैं और उनका परिवार भी वहीं रहता है। वह आठ अगस्त को अपने गांव जुनिया आए थे।

बेटी के बाद काफी मन्नतों से बेटा हुआ था।

कानपुर प्रशासन में एक और ऑडियो बम वायरल

» महिला अधिकारी की आवाज़ होने का दावा – अधिकारी ने किया खंडन

» सीएमओ के बाद अब जिला समाज कल्याण अधिकारी का नाम चर्चा में, डीएम के खिलाफ अपशब्दों का मामल

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के प्रशासनिक गलियारों में ऑडियो विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। हाल ही में सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी का डीएम के खिलाफ अपशब्दों वाला ऑडियो वायरल हुआ था, जिस पर जमकर बवाल मचा। अब एक नया ऑडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है, जिसमें एक महिला अधिकारी डीएम के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करती सुनाई दे रही हैं।

दावा किया जा रहा है कि यह आवाज़ जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह की है, हालांकि उन्होंने इसे पूरी तरह खारिज किया है। शिल्पी सिंह का कहना है कि उन्होंने ऑडियो सुना है, लेकिन इसमें आवाज़ किसी और की है।

डीएम का बयान पढ़िए...

डीएम कानपुर जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह ऑडियो उन्हें मीडिया के माध्यम से मिला है। संबंधित अधिकारी ने स्वयं इसे अपुष्ट बताते हुए खंडन कर दिया है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना आवश्यक नहीं है।

उन्होंने कहा कि कोई अपने निजी पलों की पीड़ा में जो बातें करता है, उस पर प्रतिक्रिया देना जरूरी नहीं है।

पृष्ठभूमि और विवाद की जड़

गौरतलब है कि इसी साल जून में छात्रवृत्ति घोटाले में शिल्पी सिंह दोषी पाई गई थीं। उस समय डीएम ने जांच कराई थी और कार्रवाई के लिए निदेशालय को पत्र भेजा था।

वायरल ऑडियो में महिला अधिकारी कह रही हैं— डीएम ही तो हैं, कोई भगवान थोड़ी ना हैं, यहां सभी लोग पढ़ाई करके आए हैं — साथ ही कई अपशब्द भी बोले गए।

इस नए ऑडियो बम ने एक बार फिर कानपुर प्रशासन को सुर्खियों में ला दिया है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं जारी हैं।

एसआईआर विरोध की लहर बिल्हौर तक

सपा नेत्री ने साधा चुनाव आयोग पर निशाना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। दिल्ली में जारी एसआईआर के विरोध की गूंज अब बिल्हौर तक पहुंच गई है। सोमवार को समाजवादी पार्टी की कद्दावर नेत्री और बिल्हौर विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने तहसील के निर्वाचन कार्यालय के बाहर अर्थी लेकर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। यह प्रतीकात्मक प्रदर्शन चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ था। रचना सिंह ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सांसद शांतिपूर्ण मार्च निकालकर चुनाव आयोग जा रहे थे, लेकिन केंद्र सरकार के इशारे पर पुलिस ने विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर उनकी आवाज दबाने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग सरकार के इशारे पर काम कर रहा है और एसआईआर का विरोध कर रहे विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है।धरने के बाद महामहिम राष्ट्रपति महोदया को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार सीपी राजपूत को सौंपा गया। सपा नेत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि वोट चोरी में मिलीभगत कर रहा चुनाव आयोग विपक्ष की आवाज को कुचलना चाहता है, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे। ज्ञापन सौंपने और प्रदर्शन करने में अधिवक्ता कैलाश यादव, मनीष कटियार, सर्वेश गौतम, शशिकांत पाल, अंशुमन यादव, राहुल सिंह, लोकेश अवस्थी, उत्कर्ष द्विवेदी, देवेश यादव, जनार्दन यादव, अब्दुला बिलाल, गजेंद्र सिंह, अनुज, इंद्रकुमार सिंह, ऋषभ सिंह, शशिकांत पाल, लोकेश, रोहित समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तहसील के निर्वाचन कार्यालय के बाहर अर्थी लेकर प्रदर्शन करते सपाई व अधिवक्ता।

'बेसिक शिक्षा परिवार' ने निभाया फर्ज-ए-वतन

सरहद पर बाँधी राखियां, भेजा सलामती का संदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर 'बेसिक शिक्षा परिवार' की ओर से एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। राज्य शिक्षक पुरस्कार से पुरस्कृत अध्यापिका श्रीमती आशा कटियार ने जम्मू के अखनूर सेक्टर में पहुंचकर सरहद पर तैनात देश के वीर सैनिकों को अपने हाथों से राखियाँ बाँधीं। यह सिर्फ एक परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि भावनाओं और देशभक्ति से भरी एक अनूठी पहल रही।

इन राखियों की विशेष बात यह थी कि ये राखियाँ कानपुर नगर के बेसिक विद्यालयों में पढ़ने वाले लगभग 300 बच्चों द्वारा प्रेम, स्नेह और सम्मान के साथ स्वयं तैयार की गई थीं। बच्चों ने इन राखियों के साथ भावनाओं से ओत-प्रोत पत्र भी भेजे, जिनमें उन्होंने सैनिकों की सलामती और देश की रक्षा के लिए शुभकामनाएं प्रकट कीं।

यह पहल न केवल रक्षाबंधन के पवित्र बंधन को और अधिक गौरवपूर्ण बनाती है, बल्कि समाज में सैनिकों के प्रति आदर, एकता और राष्ट्रप्रेम की भावना को भी प्रगाढ़ करती है। इस कार्य के माध्यम से यह सिद्ध होता है कि शिक्षक केवल ज्ञान के वाहक नहीं होते, वे विद्यार्थियों में संस्कार, संवेदना और देशभक्ति का भी संचार करते हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री सुरजीत कुमार सिंह तथा खंड शिक्षा अधिकारी श्री रवि कुमार सिंह ने शिक्षिका श्रीमती आशा कटियार के इस राष्ट्रसेवा से परिपूर्ण प्रयास की प्रशंसा की और इसे शिक्षा जगत के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

सरहद पर तैनात सैनिक के राखी बांधती हुई शिक्षक आशा कटियार

अफसरों की सख्ती, आधी शिकायतें वहीं निपटीं

बिल्हौर थाना में दस शिकायतें दर्ज हुईं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शनिवार को अवकाश होने के कारण इस सप्ताह थाना दिवस सोमवार को बिल्हौर थाना परिसर में आयोजित किया गया। कायज्रक्रम में कुल 10 शिकायतें दजज़ हुईं।थाना दिवस की अध्यक्षता एसीपी अमरनाथ यादव और उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने की। अफ्सरों ने फरियादियों की बात गंभीरता से सुनी और संबंधित विभागों को त्वरित कारज़्वाई के निदेज़्श दिए। कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि प्राप्त 10 शिकायतों में से 5 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आदेशित किया गया है।

थाना दिवस में फरियादियों की शिकायत सुनते अफसर।

सतर्क | बदमाशों की अफवाह से कस्बे के प्रेमियों में चिंता

बिल्हौर में डर के साए में कट रहीं रातें

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। पिछले एक सप्ताह से बिल्हौर कस्बे में रात होते ही वही पुराना शोर गूंजता है....बदमाश आए हैं! और फिर, जैसे किसी अलार्म पर लोग लाठियां लेकर घरों से बाहर निकल पड़ते हैं। सोमवार आधी रात को फैय्याज मोहल्ले में भी यही हुआ। घरों की बत्तियाँ जल गईं, दरवाज़े खुल गए और गलियों में दौड़ते कदमों की आवाज़ गूंजने लगी। लेकिन बदमाश नदारद.....पकड़ में कोई नहीं आया। गाँव के लोगों का कहना है कि यह तो भेड़िया आया वाली कहानी बन गई है, कई लोग मान रहे हैं कि अराजक तत्व शरारत कर रहे हैं। उधर, रात करीब 12 बजे कोतवाल अशोक कुमार सरोज को जैसे ही सूचना मिली, उन्होंने रात्रि गश्त करने वाले अफसरों को अलर्ट कर दिया और दोबारा कस्बे में पैदल गश्त का आदेश कर दिया। इसके बाद भी लोग देर रात तक नहीं सो पाए।

चोर की खबर फैलने के बाद लोग हाथ में लाठी लेकर घरों से बाहर निकले।

एक व्यापारी ने बताया कि हवा उड़ी कि बाबा इब्राहिम की तरफ से बदमाश आए हैं। कई लड़कों की टीम लेकर घूमे तो कहीं कोई नहीं दिखा।

चोरों की अफवाह ने बढ़ा दी आशिक मिजाजों की मुश्किल : बदमाशों की अफवाह ने कस्बे के प्रेमियों की भी नींद उड़ा दी है। देर रात को गली-कूचों में अपनी महबूबा से मिलने वाले कई आशिक मिजाज इस डर से बाहर नहीं निकल रहे कि कहीं पब्लिक उन्हें चोर समझकर लाठियों से न नवाज दे। सोशल मीडिया पर तो मज़ाक चल रहा है एक ने लिखा है कि इस माहौल की वजह से आशिक मिजाज भी डरे हुए हैं। एक लिख रहा है कि डर के आगे जीत है।

सम्पादकीय

आयुष्मान योजना हेतु धन न मिलने से संकट

यह सरकार द्वारा वित्त पोषित, दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम के लिये एक बड़ा झटका है कि हरियाणा के छह सौ से अधिक निजी अस्पतालों के मालिकों ने इस योजना से किनारा करने का मन बनाया है। निश्चित रूप से इतनी बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों का मोहभंग होना सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिये चिंता की बात ही कही जा सकती है। अस्पतालों की दलील है कि उन्हें पांच सौ करोड़ रुपये से अधिक बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। निश्चय ही राजग सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में प्रशासनिक खामियां ही उजागर हुई हैं। उल्लेखनीय है कि इस योजना में गंभीर रोगों का उपचार कराने वाले लोगों के प्रत्येक परिवार के लिये पांच लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार का वायदा किया गया था। लेकिन अकसर निजी अस्पतालों की ओर से आरोप लगाया जाता रहा है कि इस योजना के तहत उपचार कराने वाले मरीजों के बिल का भुगतान कभी समय पर नहीं किया जाता है। निश्चय ही कोई योजना तब तक प्रभावी नहीं कही जा सकती, जब तक वह केवल कागजों तक ही सीमित रहती है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में आयुष्मान कार्डधारकों को दी जाने वाली चिकित्सा सेवाएं बंद हो जाएंगी। इस स्थिति में उन मरीजों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी, जो गरीबी के चलते महंगे इलाज करने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में उन्हें अपना या अपने परिजनों का कारगर इलाज करने में लंबे विलंब का सामना करना पड़ेगा।जाहिर बात है कि आयुष्मान योजना का लाभ न मिलने से मरीजों को मजबूरी में संसाधन विहीन सरकारी अस्पतालों की शरण में जाना पड़ सकता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पताल पहले ही मरीजों के भारी दबाव को झेल रहे हैं और कई अस्पतालों में पर्याप्त व विशेषज्ञ चिकित्सकों का नितांत अभाव है। वहीं तमाम सरकारी अस्पतालों में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाओं की कमी अकसर बनी रहती है। वैसे सरकार की कल्याणकारी मंशा पर संदेह नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन समय पर योजना के लिये धन उपलब्ध न करा पाने की स्थिति निराशाजनक और नुकसान पहुंचाने वाली साबित हो सकती है। निस्संदेह, जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे मरीज नौकरशाही की अड़चनों के कम होने का इंतजार नहीं कर सकते। साथ ही गरीबी से जूझ रहे रोगी निजी अस्पतालों में उपचार नहीं करा सकते क्योंकि अधिक परिचालन लागत वाले अस्पताल बिना भुगतान के सेवाएं देने में असमर्थ हैं। निस्संदेह, यह संकट एक व्यापक मुद्दे की ओर इशारा करता है कि जन

उपलब्धियां पाने का मार्ग भी है एकांत

विनय प्रभाकर

लौकिक जीवन में संकट-समस्याओं का सामना करते समय व्यक्ति अक्सर एकांत की इच्छा करता है। कठिन परिस्थितियों में व्यक्ति अकेले रहकर अपने विचारों को संगठित करने, अपनी भावनाओं को संतुलित करने और आत्ममंथन द्वारा समाधान ढूंढ़ने का प्रयास करता है।आधुनिक जीवन की आपाधापी और भौतिक लिप्साओं ने हमारे जीवन में इतना कोलाहल भर दिया है कि जीवन में एकांत के सुख से हम वंचित हो गए हैं। एकांत के मायने हैं आत्ममंथन, आत्मविश्लेषण का अवसर और जीवन का सुकून।

खासकर सोशल मीडिया के भयावह शोर ने तो हमें एकांत से कोसों दूर कर दिया है। आदि शंकराचार्य द्वारा रचित 'साधना पंचकम स्तोत्रम' एक तत्वपूर्ण ग्रंथ है। इस ग्रंथ में निहित चालीस अमृत वचनों में से तेतीसवां उपदेश है—'एकांते सुखमास्यतां', जिसका शाब्दिक अर्थ है–एकांत में सुखपूर्वक रहो। यद्यपि इस वाक्यांश का संबंध अद्वैत वेदान्त के आध्यात्मिक संदर्भ में है, जिसमें आत्मसाक्षात्कार पर बल दिया गया है। लेकिन सांसारिक जीवन में भी यह उतना ही सार्थक है। बीसवीं सदी के महान स्पेनिश चित्रकार, मूर्तिकार पाब्लो पिकासो का एकांत विषयक दृष्टिकोण, उनके जीवन दर्शन का अभिन्न भाग था। उनके विचारों में एकांत रचनात्मक कार्यों और आत्मनिरीक्षण के लिए नितांत जरूरी है। उन्होंने अपनी सार्थक कलात्मकता का श्रेय एकांत को दिया। उनके शब्दों में 'गहन एकांत के बिना कालजयी रचना संभव नहीं है।' उनका मानना था कि एकांत बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करता। उनका कथन—'मैंने अपना एकांत स्वयं रचा है' दर्शाता है कि वे सामाजिक होते हुए भी आंतरिक एकांत में रहते थे। सवाल यह है कि क्या समाज की भीड़ से अलग–थलग रखना ही एकांत है या इसका कोई और गहन अर्थ भी है? क्या यह अपने कमरे में चुपचाप विश्राम करना एकांत है या एकांत मौन में अपने अंतर्मन से बातें करने का अवसर है क्या यह केवल गुफाओं में जाकर तप करना भर है या आत्मसाक्षत्कार के लिए गंभीर प्रयास जरूरी है कहीं यह समाज से पलायन तो नहीं या यह स्वयं में लौटने की सचेत यात्रा है? या आत्मबोध के लिए एक सुअवसर। व्यापक रूप से देखें तो एकांत स्वैच्छिक रूप से रचनात्मकता के लिये चुनी हुई अकेलेपन की अवस्था है। इसमें व्यक्ति शान्ति व आनंद महसूस करता है।

दरअसल, एकांत केवल शारीरिक रूप से लोगों से दूर रहने की अवस्था नहीं है बल्कि यह मन को भी बाहरी विक्षेपों से मुक्त रखने की स्थिति है। एकांत के दौरान व्यक्ति अपने ही विचार और भावनाओं के साथ होता है।एकांत की अवधारणा को तीन स्तरों पर समझना होगा। एक, शारीरिक एकांत जहां हम कोलाहल से दूर अकेले बैठकर प्रकृति के साथ शांत वातावरण में अपने शरीर को विश्राम देते हैं। अधिकतर लोग इसी को एकांत समझते हैं और छुट्टी लेकर कुछ समय के लिए पहाड़ों या समुद्र के किनारे चले जाते हैं। यह सच्चा एकांत नहीं है, क्योंकि जब बाहरी शोर थम जाता है तो मन के भीतर का कोलाहल विचलित करता है। दूसरा है विचारों के तूफान को शांत करने वाला एकांत। इसी को मानसिक एकांत कहते हैं। इसके लिए ध्यान, मौन और आत्मचिंतन साधन है। तीसरा, आध्यात्मिक एकांत जिसमें व्यक्ति विचारों से परे चेतना के शुद्ध स्वरूप में आ जाते हैं। संक्षेप में कहें तो शारीरिक एकांत से विश्राम मिलता है।

ट्रंप की तल्खी से उपजा वैश्विक असंतुलन

शंघाई सहयोग संगठन

मदन वर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर बेहद भारी टैरिफ लगाया है। जिससे भारत को बड़ा आर्थिक नुकसान होना तय है। जहां बाकी देश अमेरिका से व्यापार समझौते कर रहे हैं वहीं भारत ने कुछ शर्तें मानने से इनकार किया है, खासकर वे जो भारतीय हितों के प्रतिकूल हैं। बतौर विकल्प भारत अब रूस-चीन से रिश्ते प्रगाढ़ कर रहा है। लेकिन बेहतर नीति है कि भारत खुद को आत्मनिर्भर व मजबूत ताकत बनाए

पर मजबूर किया – भारत सस्ती चीनी वस्तुओं पर अत्यधिक निर्भर है और व्यापार में कमी नुकसानदेह सिद्ध हो रही थी। इसलिए जब मोदी पिछले साल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए कज़ान गए, तो रूस ने एक समझौता कराया, जिसमें मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। इस महीने के अंत में, प्रधानमंत्री शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के लिए तियानजिन जाएंगे, वहां शी जिनपिंग दुबारा भेंट होगी।अब इतिहास का यह संक्षिप्त पाठ तभी उपयोगी हो पाएगा यदि जब आप निम्नलिखित परिप्रेक्ष्य का अनुसरण करें। वह यह कि, भारत जहां एक ओर चीन के साथ तो अच्छा व्यवहार बनाकर रखना चाहता है लेकिन ठीक उसी समय पाकिस्तान से बात तक करने से इनकार करता है। यहां यह दोहराना मौजूं है कि चीन–पाकिस्तान के घनिष्ठ संबंध हालिया ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी साफ दिखाई दिए, जब भारतीय विमानों पर हमला करने में चीनी मिसाइलें पाकिस्तान की मददगार बनीं – यह किसी और ने नहीं बल्कि खुद सीडीएस अनिल चौहान ने हाल ही में स्वीकार किया है।तो अगर चीन–पाकिस्तान के बीच संरक्षक–ग्राहक संबंध का विस्तार काराकोरम से लेकर कराची तक है, तब रावलपिंडी सेना मुख्यालय से देश के राजकाज पर हावी फौजी जनरलों से बातचीत करने में मोदी के इनकार का क्या लाभ? इतना ही नहीं, ट्रंप ने हाल ही में पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर को व्हाइट हाउस में मुलाकात करने को एक बार फिर से आमंत्रित किया है– जो भारत के ज़ख्मों पर नमक रगड़ने जैसा है।पिछले हफ़्ते दूसरा सवाल यह है। क्या इस सारे वैश्विक पुनर्संतुलन का मतलब यह होना चाहिए कि भारत को व्लादिमीर पुतिन के पक्ष की ओर फिर से लौट जाना चाहिए, शीत युद्ध के दौर की तरह, जब हिंदी–रूसी भाई–भाई थे? लेकिन यहां पेंच यह है कि अगर मोदी ऐसा करेंगे, तो उन्हें वहां पहले से उपस्थित शी जिनपिंग मिल जाएंगे – क्योंकि शी और व्लादिमीर निकट सहयोगी हैं, जो एक–दूसरे को बेहतर समझते हैं। सनद रहे, बतौर कम्युनिस्ट दोनों की विचारधारा समान है। इसीलिए आत्मनिर्भरता बहुत ज़रूरी है। नेहरू से लेकर वाजपेयी तक सभी प्रधानमंत्रियों की तरह मोदी को भी भान है कि अगर भारत

एफआईआर की बरसात: अखिलेश दुबे और लवी मिश्रा पर जुड़ा एक और गंभीर मामला

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर।अधिवक्ता अखिलेश दुबे और उसके सहयोगी लवी मिश्रा के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। अपराधों की फेहरिस्त में अब एक और संगीन मामला जुड़ गया है। आरोप है कि कास्मोजिन इलाके में एक ठेकेदार को बंधक बनाकर ढाई लाख रुपये लूट लिए गए। इस संबंध में पीड़ित की तहरीर पर ग्वालटोली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना में अखिलेश दुबे और उसके करीबी की सीधी संलिप्तता बताई जा रही है।

» कास्मोजिन में ढाई लाख की लूट, ग्वालटोली थाने में केस दर्ज

» शत्रु संपत्ति कब्जाने का वीडियो भी वायरल, पीड़ित ने सुनाई आपबीती

सूत्रों के अनुसार, पीड़ित ठेकेदार को किसी बहाने कास्मोजिन स्थित एक स्थान पर बुलाया गया, जहां उसे बंधक बनाकर रुपये छीन लिए गए। विरोध करने पर धमकाया गया और जान से मारने की चेतावनी दी गई। पीड़ित ने साहस जुटाकर पुलिस से संपर्क किया और स्रद्धक्रदर्ज कराई। पुलिस अब पूरे मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

शत्रु संपत्ति कब्जे का नया खुलासा

इसी बीच, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसने अखिलेश दुबे के खिलाफ एक और गंभीर आरोप उजागर किया है। वीडियो में सिविल लाइंस निवासी एक व्यक्ति ने दावा किया कि इलाके में 13/387 नंबर की संपत्ति सरकारी रिकॉर्ड में शत्रु संपत्ति घोषित है, जबकि उससे जुड़ी 13/388 नंबर की संपत्ति भी नियमों के बावजूद अखिलेश ने अपने नाम करा ली। आरोप है कि इसमें सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत रही।

वीडियो में पीड़ित का कहना है कि जब संपत्ति को अपने और करीबियों के नाम दर्ज करा लिया गया, तो वहां रहने वाले परिवारों को कब्जा छोड़ने के लिए दबाव बनाया गया। कई लोगों ने डर के मारे घर खाली कर दिए, लेकिन जिन्होंने मना किया, उन्हें जबरन निकाल दिया गया। पीड़ित के मुताबिक, अब उस जगह पर बिना नक्शे के बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी गई हैं।सूत्र बताते हैं कि वीडियो वायरल करने वाला शख्स पहले यहां किराए पर रहता था और पुलिस की कथित प्रताड़ना के कारण उसे घर छोड़ना पड़ा। वह दावा करता है कि सरकारी सिस्टम और रसूखदारों की मिलीभगत से उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी गई।पुलिस अब दोनों मामलों में सबूत इकट्ठा कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि अखिलेश दुबे और उसके नेटवर्क के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं, और यह ताजा मुकदमा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की ओर इशारा कर सकता है। जांच एजेंसियां भी इस मामले में रुचि दिखा रही हैं, क्योंकि आरोप केवल आपराधिक गतिविधियों तक सीमित नहीं बल्कि सरकारी जमीन और शत्रु संपत्ति पर कब्जे जैसे गंभीर मामलों से जुड़े हैं।

किन्नर डबल मर्डर केस: प्रेमी ने भी दी जान, सुसाइड नोट में कबूला गुनाह

» रुपयों की मांग और धमकियों से था परेशान

» सतना के होटल में फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। योगेंद्र विहार खाड़ेपुर नई बस्ती में किन्नर काजल और उसके गोद लिए भाई देव की हत्या के आरोपी प्रेमी आकाश विश्वकर्मा ने भी आत्महत्या कर ली।

मध्य प्रदेश के सतना स्थित एक होटल में सोमवार को उसका शव फंदे से लटकता मिला। पास से मिले सुसाइड नोट में उसने हत्या की बात स्वीकार करते हुए लिखा कि काजल रुपयों की मांग और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रही थी, जिससे तंग आकर उसने पहले दोनों की हत्या और फिर खुद की जान लेने का फैसला किया। वह बर्रा विश्व बैंक ए ब्लॉक का निवासी था।

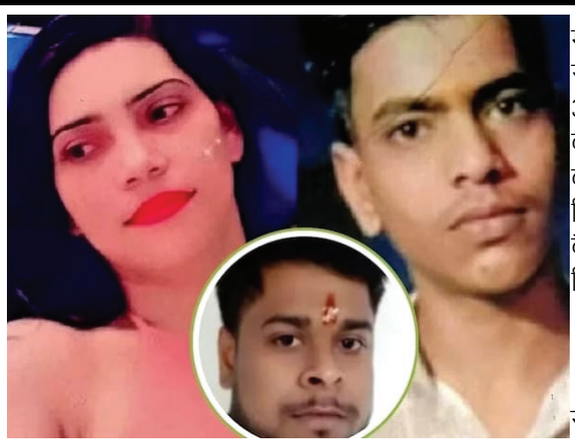

सीसीटीवी में कैद हुई थी आखिरी मुलाकात

पुलिस जांच में सामने आया कि सात अगस्त की सुबह 10:47 बजे काजल दूध लेकर घर में दाखिल हुई, कुछ देर बाद आकाश भी वहां पहुंचा। दोपहर 1:45 बजे काजल का भाई देव स्कूल से लौटा। थोड़ी देर बाद देव और आकाश घर से बाहर निकले और आधे घंटे बाद लौटे।

शाम 4:15 बजे आकाश घर से बाहर निकला और ताला लगाकर चला गया। इसके बाद न तो काजल और न ही उसका भाई बाहर दिखे। नौ अगस्त को दोनों के शव बरामद हुए, काजल का शव दीवान बेड में और देव का शव फर्श पर पड़ा था। पुलिस टीम सतना में आरोपी की तलाश में जाने ही वाली थी कि उसकी आत्महत्या की सूचना मिल गई।

मकबरे के एक किलोमीटर के दायरे में सभी सड़कें बंद, पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा, ड्रोन से कर रही निगरानी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शांति सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन ने मकबरे के एक किलोमीटर के दायरे में सभी सड़कें बंद कर दी हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। फतेहपुर जिले के एक मकबरे में सोमवार को हिंदू दक्षिणपंथी संगठनों के सदस्यों ने घुसकर हंगामा किया और धार्मिक नारेबाजी की। हंगामा करने वालों का दावा है कि कई सदी पुराना नवाब अबू समद का मकबरा जहां स्थित है, वहां पहले कभी मंदिर हुआ करता था। इस घटना के बाद पुलिस और जिला प्रशासन ने मकबरे के एक किलोमीटर के दायरे में उन सभी सड़कों को बंद कर दिया है जो मकबरे तक पहुंचती है। अधिकारी ने बताया कि अब यह इलाका लगातार ड्रोन निगरानी में है और मकबरे के ध्वस्त किए गए हिस्सों की मरम्मत कल रात तक पूरी हो गई।

फतेहपुर के पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने कहा, ''कड़ी निगरानी रखी जा रही है और पूरा इलाका अब लगातार ड्रोन निगरानी में है। किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी।'' इस बीच, अपर पुलिस महानिदेशक (प्रयागराज) संजीव गुप्ता ने सोमवार रात घटनास्थल का दौरा किया और पुलिस व जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ पूरे मामले पर चर्चा की।

उन्होंने मामले को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने और आगे किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने की रणनीति बनाई।

गुप्ता ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पड़ोसी जिले कौशांबी और प्रयागराज से अतिरिक्त बल बुलाने की मंजूरी दी है। उन्होंने सोमवार को इलाके में फ्लैग मार्च भी निकाला। जिलाधिकारी को लिखे एक पत्र में उलेमा काउंसिल ने घटना की निंदा की और कुछ संगठनों पर मंदिर के दावों के बहाने एक ऐतिहासिक स्मारक को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। इसने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और राष्ट्रीय धरोहर स्थल की सुरक्षा की मांग की।

हिंदू दक्षिणपंथी संगठनों के सदस्यों ने सोमवार को फतेहपुर जिले में एक मकबरे में घुसकर हंगामा किया और दावा किया कि यह एक मंदिर स्थल है जहां उन्हें प्रार्थना करने का अधिकार है। पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और शांति भंग करने के आरोप में 150 से अधिक लोगों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने कहा, ''हमें कई वीडियो मिले हैं जिनमें कई लोग मकबरे के आसपास भगवा झंडे लिए 'जय श्री राम' के नारे लगाते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि किसी के पास हथियार नहीं थे।''

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मुकदमे में नामजद किये गये लोगों की पहचान धर्मेंद्र सिंह (बजरंग दल नेता), अभिषेक शुक्ला (भाजपा नेता), अजय सिंह (जिला पंचायत सदस्य), देवनाथ धाकड़ (भाजपा नेता), विनय तिवारी (नगर पालिका सभासद), पुष्पराज पटेल, रितिक पाल और प्रसून तिवारी (भाजपा) और पप्पू चौहान (समाजवादी पार्टी नेता) के रूप में की गई है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा था कि सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है।

बसपा ने कानपुर मंडल में किए बड़े बदलाव, तीन मुख्य मंडल प्रभारी नियुक्त

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पार्टी संगठन में अहम फेरबदल करते हुए पूर्व एमएलसी नौशाद अली, पूर्व एमएलसी दिनेश चंद्रा और सूरज सिंह जाटव को कानपुर मंडल का मुख्य मंडल प्रभारी नियुक्त किया है।पार्टी सूत्रों के अनुसार यह नियुक्ति तीनों नेताओं की पार्टी के प्रति ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए की गई है। नियुक्ति की जानकारी मिलते ही समर्थकों और शुभचिंतकों ने तीनों नेताओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नए मंडल प्रभारियों ने इस अवसर पर मायावती के प्रति आभार व्यक्त किया और संगठन को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

इंस्टाग्राम पर आत्महत्या का इशारा, पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बची युवक की जान

» सोशल मीडिया अलर्ट पर हरकत में आई कानपुर देहात पुलिस

» प्रेम-प्रसंग में विफलता से था व्यथित, काउंसलिंग के बाद सौंपा परिजनों को

एक युवक द्वारा आत्महत्या करने का संकेत देते हुए वीडियो अपलोड किया गया था। मेटा कंपनी से मिले अलर्ट ने मामले को गंभीर बना दिया। पुलिस मुख्यालय, लखनऊ से युवक का मोबाइल नंबर और लोकेशन तुरंत मीडिया सेल, कानपुर देहात को भेजी गई, जिसके बाद डेरापुर पुलिस टीम सक्रिय हो गई।

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। सोशल मीडिया पर एक छोटी-सी पोस्ट भी किसी की जिंदगी बचा सकती है–इसका जीवंत उदाहरण सोमवार को थाना डेरापुर पुलिस ने पेश किया। इंस्टाग्राम पर

पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए युवक के घर पहुंचकर उसे सुरक्षित बचा लिया। उस समय युवक

मानसिक रूप से बेहद तनाव में था और आत्मघाती कदम उठाने की सोच रहा था। मौके पर ही पुलिस ने उसे संभाला और बाद में विस्तृत काउंसलिंग की।

काउंसलिंग के दौरान युवक ने बताया कि वह प्रेम-प्रसंग में विफल होने के बाद गहरे भावनात्मक तनाव में था और इसी कारण उसने यह वीडियो पोस्ट कर दिया। पुलिस ने उसे समझाया, मानसिक रूप से मजबूत रहने के टिप्स दिए और दोबारा ऐसी हरकत न करने की सख्त हिदायत दी। लिखित और मौखिक आश्वासन के बाद युवक को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों ने कानपुर देहात पुलिस की त्वरित और मानवीय कार्रवाई की सराहना करते हुए आभार जताया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर ऐसे मामलों में फौरन कार्रवाई जरूरी है, क्योंकि एक पल की देरी भी जानलेवा साबित हो सकती है।

दहेज उत्पीड़न में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

» शादी के बाद से ही पति और ससुराल वालों पर दहेज मांगने व मारपीट के आरोप

» मायके पहुंचा भाई, घर के अंदर पड़ी मिली बहन की लाश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद के गजनेर थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है।

ग्राम नागिन जसी नवीपुर निवासी मोहित पाल ने थाना अध्यक्ष को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उसकी बहन अस्था पाल की शादी 13 मई 2021 को ग्राम भवानीपुरवा, मजरा गुजराई निवासी मान सिंह पुत्र नोखेलाल के साथ हुई थी।

तहरीर के अनुसार, शादी के बाद से ही पति मान सिंह, ससुर नोखेलाल, सास रानी मुन्नी और जेठानी पूजा पाल (पत्नी निर्भय पाल) लगातार दहेज की मांग करते थे। बहन को आए दिन मारपीट व गाली-गलौज का सामना करना पड़ता था।

मोहित ने बताया कि 8 अगस्त 2025 की शाम करीब 6 बजे उसे सूचना मिली कि उसकी बहन की हालत गंभीर है।

मौके पर पहुंचने पर उसने बहन की लाश घर के अंदर पड़ी देखी। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

समर कैंप की रकम हड़पने के आरोप, शिक्षा मित्रों को अब तक नहीं मिला भुगतान

» समर कैंप की रकम हड़पने के आरोप, शिक्षा मित्रों को अब तक नहीं मिला भुगतान

» प्रधानाध्यापकों पर स्टेशनरी व स्वल्पाहार का पैसा रोकने का आरोप

» दो महीने बाद भी व्यय की गई रकम लौटाने को तैयार नहीं जिम्मेदार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बेसिक शिक्षा परिषद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 21 मई से 10 जून 2025 तक संचालित समर कैंप में लगे शिक्षा मित्र और अनुदेशक आज भी अपनी मेहनत की कमाई पाने के लिए भटक रहे हैं। सरकार ने प्रत्येक विद्यालय के एसएमसी खाते में कैंप संचालन के लिए 2000 और बच्चों के स्वल्पाहार हेतु 5 प्रति छात्र की दर से राशि भेजी थी।

जून माह में वैसे ही सिर्फ 15 दिन का 5000 मानदेय पाने वाले शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों पर अतिरिक्त बोझ तब पड़ा, जब कुछ प्रधानाध्यापकों ने घर से बाहर होने का हवाला देकर उन्हें अपने पैसे से स्टेशनरी और स्वल्पाहार का इंतजाम करने को कह दिया। शिक्षा मित्रों ने कर्ज लेकर व अपनी जेब से खर्च कर कैंप को सफलतापूर्वक संचालित किया। लेकिन कैंप खत्म हुए दो महीने बीतने के बाद भी कई प्रधानाध्यापकों ने अब तक यह रकम नहीं लौटाई। शिक्षा मित्र व अनुदेशक प्रधानाध्यापकों से बार-बार गुहार लगा रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही। आरोप है कि कुछ प्रधानाध्यापक समर कैंप की धनराशि हड़पने की फिराक में हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

विद्यालय के गेट पर असमय लटका ताला, बच्चों की शिक्षा से खिलवाड़

» समय हो जाने के बाद भी गेट बंद, शिक्षक नदारद

» वीडियो वायरल होने पर बीएसए ने मांगा स्पष्टीकरण

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली एक लापरवाही अमरौधा ब्लॉक के बिल्हापुर ग्राम में सामने आई। प्राथमिक विद्यालय के गेट पर समय हो जाने के बाद भी ताला लटका रहा और शिक्षक नदारद रहे। बच्चे और सहायक अध्यापक गेट खुलने का इंतजार करते रहे, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। किसी ने इस पूरे मामले का वीडियो बनाकर अधिकारियों को भेज दिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रधानाध्यापक अपनी मनमानी पर उतर आए हैं और समय से पहले विद्यालय बंद करना आम बात बन गई है। उनका कहना है कि सरकारी स्कूल में गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन शिक्षा देने के बजाय उन्हें शिक्षा से वंचित किया जा रहा है। यह कोई पहला मामला नहीं है पहले भी वीडियो वायरल हुए थे जिनमें बच्चों को कक्षा छोड़ पेड़ों में पानी डालते और बल्ली गाड़ते दिखाया गया था। जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा के द्वारा मामले को गंभीर बताते हुए स्पष्टीकरण तलब किया गया है और जल्द कार्रवाई की जाएगी। बेसिक शिक्षा विभाग किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगा।

बरौर मंडल में तिरंगा यात्रा, आजादी के महापर्व पर जनसैलाब उमड़ा

» प्रधानमंत्री के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली गई यात्रा

ब्लॉक प्रमुख स्वतंत्र पासवान बोले तिरंगा हमारी आन, बान और शान है

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत बरौर मंडल में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख स्वतंत्र पासवान ने कहा कि तिरंगा केवल झंडा नहीं, यह हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इसकी शान न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में बढ़ी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि आजादी के महापर्व पर 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर पर तिरंगा फहराएं और दूसरों को भी प्रेरित करें। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष महेश संखवार, जितेंद्र सिंह गुड्डू, बबोले शुक्ला, जिला महामंत्री किरण अवस्थी, अध्यक्ष राधा सविता, रुचि त्रिपाठी, अनीता सविता, पूर्व महामंत्री दीपक सेन, संयोजक वकील सिंह नायक, सहसंयोजक नवनीत सचान, गोविंद शुक्ल, महामंत्री अक्षय कुमार, शुभम सचान, सैफ रिज़वी, रघुवेंद्र शक्ति केंद्र संयोजक अजीत सचान, रवि सिंह नायक, नरेंद्र पाल, कुशल पाल, रामबली सहित बड़ी संख्या में बूथ प्रमुख और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। यात्रा में देशभक्ति के नारों से माहौल गूंज उठा।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333
हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

अमरूद का पत्ता तोड़ते समय पेड़ से गिरकर अधेड़ की मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

निंदूरा (बाराबंकी)। बकरियों के लिए अमरूद का पत्ता तोड़ते समय पेड़ से गिरकर एक अधेड़ की मौत हो गई। घटना बड्डूपुर कोतवाली क्षेत्र के पकरियापुर मजरे बड़ागांव की है।

मंगलवार सुबह करीब 11 बजे छंगा लाल कश्यप (45) पुत्र सत्रोहन लाल कश्यप अमरूद के पेड़ पर चढ़कर पत्ते तोड़ रहे थे, तभी पैर फिसलने से वे नीचे पत्थर पर गिर गए। गिरने से उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। परिजन उन्हें इलाज के लिए बड्डूपुर कस्बे के एक निजी अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

सूचना पर मृतक के भाई विजय कुमार की तहरीर पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुख्यालय भेज दिया। घटना के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है।

बिना रजिस्ट्रेशन फॉर्च्यूनर चलाना क्रिकेटर आकाशदीप को पड़ा महंगा

» परिवहन आयुक्त ने भेजा नोटिस, डीलर पर भी कार्रवाई

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। भारतीय क्रिकेटर आकाशदीप सिंह की नई फॉर्च्यूनर कार अब उनके लिए परेशानी का सबब बन गई है। बिना रजिस्ट्रेशन गाड़ी खरीदने और उसे सड़क पर चलाने के मामले में परिवहन आयुक्त बृजेश नारायण सिंह ने आकाशदीप को नोटिस जारी किया है। उन्हें साफ़ चेतावनी दी गई है कि गाड़ी का रजिस्ट्रेशन कराने के बाद ही सड़क पर चलाएं, अन्यथा कार को सीज़ कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इंग्लैंड दौरे से लौटने के बाद रक्षाबंधन के दिन आकाशदीप ने चिनहट स्थित सनी मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड से ब्लैक कलर की फॉर्च्यूनर खरीदी थी। आरोप है कि शोरूम मैनेजर रविंद्र कुमार गुप्ता ने बिना रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी किए ही कार उन्हें सौंप दी। यहां तक कि गाड़ी की हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट भी जारी नहीं कराई गई।

परिवहन आयुक्त ने इस मामले में सनी मोटर्स को भी कारण बताओ नोटिस जारी कर 14 दिन में जवाब मांगा है। आयुक्त का कहना है कि वाहन नियमों का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यूपी में औद्योगिक भूखंड आवंटन के नए नियम लागू, 3 साल में करनी होगी पूरी भुगतान राशि

» नए शासनादेश से पुराने 19 आदेश खत्म, ई-ऑक्शन में 10प्रतिशत अर्नेस्ट मनी अनिवार्य

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने औद्योगिक क्षेत्रों में भूखंड आवंटन और प्रबंधन नीति को लेकर बड़ा बदलाव किया है। अपर मुख्य सचिव (लघु एवं मध्यम उद्योग) आलोक कुमार ने नए शासनादेश जारी करते हुए इससे संबंधित पहले से जारी 19 शासनादेशों को समाप्त कर दिया है।नई नीति के तहत अब किसी भी बिजनेस के लिए औद्योगिक क्षेत्र में आवंटित भूखंड की कुल कीमत का भुगतान व्यवसायी को 3 साल के भीतर करना अनिवार्य होगा। यदि तय समय सीमा में भुगतान नहीं किया जाता है, तो भूखंड का आवंटन रद्द कर दिया जाएगा।

इसके साथ ही, किसी सरकारी भूखंड के ई-ऑक्शन में हिस्सा लेने के लिए आवेदक को आरक्षित मूल्य का 10प्रति हिस्सा अर्नेस्ट मनी के रूप में जमा करना होगा। सरकार का कहना है कि इस कदम से औद्योगिक भूखंडों के आवंटन में पारदर्शिता आएगी और समय पर भुगतान सुनिश्चित होगा।नई नीति के लागू होने से औद्योगिक निवेशकों के लिए स्पष्ट समय सीमा और वित्तीय नियम तय हो गए हैं, जिससे औद्योगिक परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन की उम्मीद है।

निंदूरा में यूरिया की किल्लत, किसानों की लगी लंबी कतारें

किसानों का आरोप -बड़े किसानों को प्राथमिकता, छोटे रह गए खाली हाथ, काला बाजारी के भी आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

निंदूरा (बाराबंकी)। विकास खंड निंदूरा के पलिया स्थित सहकारी समिति अटहरा पर मंगलवार को यूरिया खाद के वितरण में अव्यवस्था और किल्लत देखने को मिली। सुबह से ही आसपास के गांवों के किसान अपने आधार कार्ड और खतौनी लेकर समिति पहुंच गए थे। उम्मीद थी कि उन्हें आसानी से खाद मिल जाएगी, लेकिन वितरण दोपहर करीब 12 बजे शुरू हो पाया।

किसानों ने बताया कि पिछले दो हफ्तों से क्षेत्र में यूरिया की भारी कमी है। कई बार समिति पर आने के बावजूद उन्हें खाद नहीं मिल रही। मंगलवार को भी बड़े किसानों और पहुंच रखने वालों को प्राथमिकता दी गई, जबकि छोटे और सीमांत किसान घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी खाली हाथ लौट गए।

भीड़ और आक्रोश बढ़ने पर समिति की ओर से सिर्फ एक-दो बोरी का सीमित वितरण किया गया, जिससे नाराजगी और बढ़ गई। किसानों का कहना है कि इस समय धान की रोपाई और अन्य खरीफ फसलों के लिए यूरिया की सख्त जरूरत है, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही और मनमानी के कारण उन्हें समय पर खाद नहीं मिल पा रहा।इस दौरान किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि प्राइवेट दुकानों पर यूरिया की काला बाजारी हो रही है और वहां ऊंचे दाम पर खाद बेची जा रही है। छोटे किसानों का कहना है कि मजबूरी में उन्हें महंगे दाम देकर खाद खरीदनी पड़ रही है।किसान नेताओं ने खराब आपूर्ति व्यवस्था पर कड़ी नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने मांग की कि खाद वितरण पारदर्शी तरीके से हो और सभी किसानों को बराबरी का हक मिले।

वार्ड के दरवाज़े पर ठहरी उम्मीद, और भीतर तन्हा पड़े पिता

» अयोध्या के जिला अस्पताल में पांच दिन से अकेले हैं बुजुर्ग दिलीप सिंह

» बेटे ने भर्ती कर पैसे लिए, फिर मुंह मोड़ लिया

» हर आहट पर उठती हैं आंखें, पर लौटकर आता सिर्फ़ सन्नाटा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जिला अस्पताल का वार्ड नंबर – एक ऐसा कमरा जहां चारों ओर दवा की गंध है, मशीनों की बीप है, और एक कोने में लेटे हैं 70 पार के दिलीप सिंह उर्फ़ दल्लू। उनके चेहरे पर झुर्रियों की गहरी लकीरें हैं, आंखों में हल्की धुंध है, लेकिन हर बार दरवाज़ा खुलने पर उनमें उम्मीद की एक चमक आ जाती है, शायद बेटा आया हो।

6 अगस्त को बेटे नीरज सिंह ने उन्हें सरियावा गांव से जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया था। साथ ही, इलाज के नाम पर 2000 रुपये भी पिता से ले गया। उसने जाते-जाते कहा था—पिताजी, मैं अभी आता हूं लेकिन वह अभी अब पांच दिन से नहीं आया।

अगले ही दिन जब अस्पताल के डॉक्टर और नर्सों ने बेटे को फोन किया, तो उधर से एक ठंडी, बेरहम आवाज़ आई—हमने किसी को भर्ती नहीं कराया, हम उन्हें जानते भी नहीं ।इतना सुनकर अस्पताल स्टाफ भी चुप रह गया।

इन पांच दिनों में बुजुर्ग का हाल ऐसा है कि न सुबह कोई अपना पानी पूछने आता है, न शाम को कोई हाल जानने। खाना, दवा, कपड़े—सब कुछ अस्पताल का स्टाफ खुद कर रहा है। नर्सें बारी-बारी से उन्हें खिला

रही हैं, दवा पिला रही हैं, बातचीत में लगाने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन जब दिल पर चोट लगी हो, तो हौसले की दवा भी असर कम करती है।

एक नर्स बताती है—वो बार-बार पूछते हैंज् बेटा आया क्या? हमें झूठ बोलना पड़ता है— कह देते हैं कि हां, अभी आया था, बाहर गया है ।लेकिन उनकी आंखें सच जानती हैं, इसीलिए दरवाज़े पर टिकी रहती हैं।

अस्पताल के अधीक्षक अजय सिंह गौतम कहते हैं

मरीज की स्थिति स्थिर है, पर मानसिक रूप से वह बहुत टूट गए हैं। यह केवल मानवीय संवेदनाओं की हत्या नहीं, बल्कि कानूनी अपराध भी है।

अब पुलिस बेटे को ढूंढने में लगी है, ताकि पिता की देखभाल का जिम्मा वह उठाए।

लेकिन तब तक दिलीप सिंह की दुनिया बस इस छोटे से वार्ड में सिमट गई है—जहां हर शाम, सूरज ढलने के साथ, उनकी आंखों में एक ही सवाल चमक उठता है—

मेरा बेटा कब आएगा?

कुमारगंज अस्पताल में सीएमएस की मनमानी- इलाज से ज्यादा उगाही का धंधा

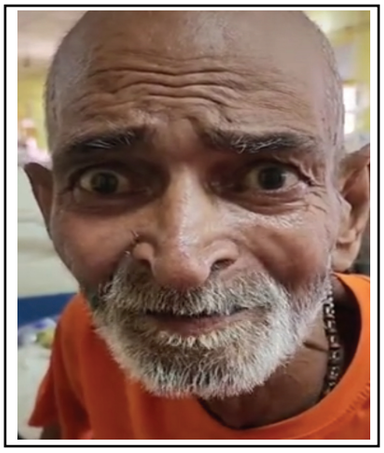

» मरीज की चीख पर भी नही पिघलता दिल,लेकिन नोटो की खनक पर दौड़ पड़ता है सिस्टम

» मरीज लाचार, डॉक्टर बेखौफ – योगी सरकार की छवि पर दाग

» डॉ. रजनीश सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजा शिकायती पत्र

अयोध्या

परम श्रद्धेय

परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज

गोरक्ष पीठाधीश्वर, माननीय मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश

विषय :- संयुक्त चिकित्सालय 100शैय्या कुमारगंज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रवि पांडे की मनमानी से अवगत कराने के संदर्भ में

महोदय

सादर अवगत कराना है कि डॉक्टर रवि पांडे के सीएमएस बनने के बाद से लगातार चिकित्सालय के अंदर बदहाली जारी है इनके सीएमएस बनने के बाद से चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और अनुशासनहीनता चरम पर है। महोदय मैं स्वयं इस चिकित्सालय का शासन द्वारा नामित रोगी कल्याण समिति का सदस्य हूं, इनके कार्यभार ग्रहण करने के बाद से आज तक रोगी कल्याण की किसी भी बैठक में मुझको ना तो सूचित किया गया है ना ही मुझसे कोई सुझाव मांगा गया है महोदय मैं अस्पताल में व्याप्त निम्नलिखित अनियमिताओं के प्रति आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं

1- अस्पताल में तैनात सभी चिकित्सक में से अधिकांश साप्ताहिक ड्यूटी पर रहते हैं यानी दो दिन आते हैं और चार दिन का सिग्नेचर करके अपनी उपस्थिति दर्ज करवा देते हैं जिसके एवज में सीएमएस चिकित्सकों से मनमानी पैसा भी लेते हैं ।इसकी पुष्टि परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे से की जा सकती है। यदि अधिकारियों के द्वारा मुझसे प्रमाण भी मांगा जाएगा तो हम प्रमाण भी उपलब्ध करवा देंगे।

2- सीएमएस डॉक्टर रवि पांडे के द्वारा स्वयं प्रत्येक प्रसव के पश्चात अवैध रूप से धन उगाही की जाती है जिसकी कई शिकायतें मेरे पास आई है क्योंकि सीएमएस जैसे बड़े अधिकारी के खिलाफ लोग बोलने से डरते हैं इसलिए कोई भी खुलकर इनकी शिकायत नहीं करता है लेकिन यदि इस विषय की भी जांच कराई जाए तो मैं कई पीड़ितों से बयान दिलवा सकता हूं।

3- डॉ रवि पांडे के द्वारा अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जो कि पूरे उत्तर प्रदेश में फ्री है के नाम पर भी रसीद बनवाकर वसूली करवाई जा रही जो शासन की मंशा के विपरीत है और ये अक्षम्य है,जब ये मामला प्रकाश में आया तब सीएमएस के द्वारा वसूले गए पैसे को मरीजों को न वापस करके अस्पताल के खाते में जमा करवा दिया गया जो कि एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। (रसीद संलग्न)

4- डॉ रवि पांडे के आ जाने के बाद से इमरजेंसी कक्ष में बाहरी लोगों का जैसे मेडिकल स्टोर, MR आदि का बोल वाला रहता है वह सब खुद से मरीज का चिकित्सक परीक्षण करके अपनी दवा उनको भेजते हैं और भारी मात्रा में कमीशन आदि सुविधा सीधे सीएमएस तक पहुंच जाती हैं अभी हाल ही में ऐसी कई शिकायतें लोगों के द्वारा आपसे की गई थी जिसकी संदर्भ संख्या 12177250128937 हैं जिसपर कोई कार्यवाही नहीं की गई,

9651070000 rajneeshsingh7171@gmail.com

सीएमएस जो की बताते हैं कि मेरे अपने विधायक है मेरे रिश्तेदार गृह विभाग में है मेरा कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता और कई बार तो यहां तक बोल जाते हैं कि मेरा मुख्यमंत्री भी कुछ नहीं कर सकते। और

5- महोदय अभी मेरे संज्ञान में यह भी आया है कि यह व्यक्ति अस्पताल में तैनात चिकित्सकों का ACR विवरण भरने के नाम पर भी अवैध वसूली किया है जबकि शासनादेश के अनुसार यह व्यक्ति ACR भरने के लिए पात्र ही नहीं है। इनका भय इस कदर व्याप्त है की कोई भी चिकित्सक खुलकर सामने आने या लिखित में देने को तैयार नहीं है(शासनादेश संलग्न)

6- महोदय दिनांक 10 अगस्त को प्रमुख सचिव के आदेश के क्रम में अस्पताल और कार्यालय पूरी तरह से खुला होना चाहिए था लेकिन कार्यालय बंद था। कार्यालय बंद होने पर स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा अस्पताल में हंगामा किया गया ।जब इसकी सूचना मुझे हुई और मैने बात की तो सीएमएस ने बताया कि मैं घर पर हूं।और जब मैने उपद्रव की सूचना दी तो बोले वो लोग मेरा कुछ नहीं उखाड़ पाएंगे ....आदि। जबकि मेरे द्वारा लगातार सिर्फ यही अनुरोध किया जा रहा था कि अस्पताल आपका निजी नहीं है ।इसकी छवि खराब हो रही हैं तो प्रदेश सरकार की ही छवि खराब होगी लेकिन इन्होंने एक नहीं सुनी।

7- महोदय इनकी तैनाती के बाद से रोगी कल्याण समिति की एक भी बैठक इनके द्वारा मेरी उपस्थिति में नहीं कराई गई है अस्पताल की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जब मैं उनसे बात किया तो उन्होंने बताया कि रोगी कल्याण समिति में कोई बजट नहीं है इसलिए अभी इसकी बजट बैठक नहीं होगी महोदय इस वक्त के द्वारा रोगी कल्याण निधि का भी जबरदस्त दुरुपयोग किया गया है उसकी भी जांच कराई जानी आवश्यक है।

8- महोदय मुझको यह भी पता चला है कि इन्होंने अपने अस्पताल में तैनात चिकित्सकों से अक्सर कई सादे कागज पर इनके द्वारा हस्ताक्षर करवा लिया जाता है और उस पेपर का उपयोग शिकायतकर्ताओं के खिलाफ धमकाने में और अपने बचने के लिए चिकित्सकों का समर्थन अपने पक्ष में है ऐसा दिखाने के लिए करते हैं। महोदय इस शिकायत के बाद भी डॉ पाण्डेय यही पैतरेबाजी करेंगे ऐसा मेरा विश्वास है।

महोदय मेरी आपसे प्रार्थना है कि डॉक्टर रवि पांडे को यहां से तत्काल हटाकर किसी अन्य सीएमएस की तैनाती की जाए और इनके कार्यकाल की विभागीय जांच कर इनके द्वारा की गई वित्तीय अनियमितता की जांच कर इनके ऊपर कठोर कार्रवाई की जाए

11अगस्त 2025

(डॉ रजनीश सिंह)

प्रतिलिपि

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। संयुक्त चिकित्सालय 100 शैय्या कुमारगंज में स्वास्थ्य सेवा की जगह मनमानी, उगाही और भ्रष्टाचार की कहानी अब खुलकर सामने आ रही है। आरोपों के केंद्र में हैं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रवि पांडे, जिनके कार्यकाल में अस्पताल के हालात बद से बदतर हो चुके हैं।

रोगी कल्याण समिति के नामित सदस्य डॉ. रजनीश सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे पत्र में जो आरोप लगाए हैं, वे स्वास्थ्य विभाग के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। शिकायती पत्र में कहा गया है कि इस अस्पताल के अधिकांश डॉक्टर सप्ताह में सिर्फ 2 दिन आते हैं, बाकी दिन फर्जी सिग्नेचर। सीएमएस पर इनसे सेटिंग के पैसे लेने का आरोप लगा है। हर डिलीवरी के बाद मरीजों से अवैध वसूली, पर डर के कारण कोई खुलकर शिकायत नहीं करता। प्रदेश में फ्री सुविधा के नाम पर रसीद काटकर पैसे वसूले गए, बाद में मरीजों को नहीं लौटाए, बल्कि अस्पताल खाते में डाल दिए।

इमरजेंसी में दलालों का कब्जा

मेडिकल स्टोर और एमआर खुद मरीजों को दवा लिखते हैं, कमीशन सीधे सीएमएस तक। शासनादेश के खिलाफ, डॉक्टरों के एसीआर भरने के नाम पर अवैध रकम ली गई।

10 अगस्त को प्रमुख सचिव के आदेश के बावजूद कार्यालय बंद मिला, हंगामे के बाद भी मेरा कुछ नहीं उखाड़ पाएंगे जैसी बेशर्मी भरी प्रतिक्रिया।

रोगी कल्याण निधि का दुरुपयोग करने के बारे में कहा गया है कि आज तक एक भी बैठक नहीं, बजट का हिसाब संदिग्ध है। डॉक्टरों से साइन लेकर शिकायतकर्ताओं को धमकाने और अपने पक्ष में माहौल बनाने का खेल चल रहा है। जबकि वही सीएमएस के कथित बयान फ्मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, मुख्यमंत्री भी नहींफ् ने मामले को और ज्यादा राजनीतिक रंग दे दिया है। आरोप है कि डॉ. रवि पांडे को तत्काल हटाया जाए, विभागीय जांच हो और वित्तीय अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई की जाए।

» स्वराज इंडिया की ख़बर का असर

कुमारगंज अस्पताल के 27 कर्मचारियों की रोज़ी बची, वेतन मिलने की उम्मीद जगी

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com अयोध्या कानपुर, शनिवार 09 अगस्त, 2025 11

कुमारगंज अस्पताल में ठेकेदारी में खेल उजागर

» 27 कर्मचारियों की रोज़ी पर लटकी तलवार

» पीछे 'पुराने घोटालेबाज़' का हाथ!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या के कुमारगंज स्थित 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में आउटसोर्स कर्मचारियों पर अचानक वेतन और नौकरी संकट टूट पड़ा है। 06 अगस्त 2025 को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) के जारी पत्र ने यहां तैनात 27 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की ज़िंदगी में भूचाल ला दिया है।

पूरा मामला तब उभरा जब महालेखाकार उत्तर प्रदेश, प्रयागराज के ऑडिट में फ्अवनी परिधिफ् नामक एजेंसी से कर्मचारियों से काम कराने पर गंभीर आपत्ति दर्ज हुई। ऑडिट रिपोर्ट ने इस ठेकेदार पर नियम उल्लंघन और भुगतान में गड़बड़ी के आरोप

100शैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज अयोध्या

अवनि परिधि एनर्जी एंड कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी उपस्थिति पंजिका

लगाए। दिलचस्प यह है कि यही एजेंसी पूरे प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में चतुर्थ श्रेणी स्टाफ उपलब्ध कराती है और हाल ही में इसे ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी, लेकिन एजेंसी ने हाईकोर्ट से स्टे ले लिया।

सूत्र बताते हैं कि कुमारगंज में तैनात एक कुख्यात कनिष्ठ लिपिक ने सीएमएस के साथ मिलकर यह खेल रचा। यह वही लिपिक है जो एनआरएचएम लखनऊ घोटाले और सीएमओ हत्या कांड में न सिर्फ आरोपी रहा बल्कि जेल की हवा भी खा चुका है। इसी महीने रिटायर होने से पहले इसने आखिरी 'कमाई' का प्लान बनाया पुरानी एजेंसी को हटाकर अपने किसी खास को सेवा प्रदाता बनाना ।नतीजा अप्रैल से अब तक कर्मचारियों को वेतन नहीं, और अब नौकरी से भी बेदखली का फरमान! सीएमएस ने साफ कह दिया है कि जब तक लखनऊ से 'दिशा-निर्देश' नहीं आते, तब तक वेतन भुगतान संभव नहीं। जबकि जिला अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को जून तक का वेतन भुगतान किया गया है तो कुमारगंज में इस तरह का तुगलकी फरमान क्यों?

कर्मचारियों का कहना है कि वे बिना किसी गलती के सज़ा भुगत रहे हैं, जबकि खेल ठेकेदारी और फाइलों की सियासत में छिपा है। अब सवाल उठता है यह सिर्फ ऑडिट की 'तकनीकी आपत्ति' है या फिर एक और सरकारी ठेके का घोटाला, जिसकी डोरें पुराने अपराधियों के हाथ में हैं?

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। स्वराज इंडिया द्वारा 9 अगस्त को प्रकाशित कुमारगंज अस्पताल में ठेकेदारी का खेल, 27 कर्मचारियों की रोज़ी पर लटका तलवार, पीछे 'पुराने घोटालेबाज़' का हाथ! शीर्षक वाली बड़ी ख़बर का असर अब साफ दिखने लगा है। शासन ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) को कड़ी फटकार लगाई है।

सूत्रों के मुताबिक, 12 अगस्त की सुबह सीएमएस ने सभी 27 आउटसोर्स चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर करवाना शुरू कर दिया। इसके बाद कर्मचारियों में उम्मीद जगी है कि अप्रैल से रुका हुआ उनका वेतन अब शीघ्र मिल जाएगा।

कर्मचारियों ने स्वराज इंडिया के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सच की आवाज़ सिर्फ स्वराज इंडिया है, जो हर पीड़ित के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहता है। गौरतलब है कि कुमारगंज के 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में 6 अगस्त 2025 को सीएमएस के आदेश ने 27 कर्मचारियों की नौकरी और वेतन दोनों पर संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन अब मीडिया की सच्ची और दबंग रिपोर्टिंग ने हालात बदलने शुरू कर दिए हैं।

21 लाख का चेक वायरल

स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला करने वालों को मिल रहा इनाम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में स्वामी प्रसाद मौर्य के ऊपर हमला करने वाले युवक को अब इनाम मिल रहे है। वहीं उसे एक 21 लाख का चेक भी मिला है।

अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के सिर पर चपत लगाने वाले रोहित द्विवेदी व शिवम यादव को लेकर राजनीति शुरू हो चुकी है। ब्राह्मण समाज के लोगों द्वारा उसे सनातन प्रेमी और शेर के बच्चे जैसी संज्ञा देते हुए इनाम दिए जा रहे हैं। इसमें सबसे अधिक सलोन निवासी आशीष तिवारी ने 21 लाख रुपए का चेक देकर उसे वायरल किया है। वहीं स्वामी प्रसाद मौर्य ऐसे लोगों को शैतान, कीड़े, मकोड़े व मानसिक दिवालिया कहकर हमलावर हुए हैं।

पहले मुनीर ने दी परमाणु धमकी

अब गिड़गिड़ाया पाकिस्तान

सिंधु जल संधि को तत्काल बहाल करने की लगाई गुहार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाए थे। इसमें 1960 से चली आ रही सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल है।

सिंधु जल समझौते पर रोक लगाने के भारत के फैसले से पाकिस्तान बेहाल है। अब एक बार फिर इस्लामाबाद ने भारत के सिंधु समझौते को तत्काल बहाल करने की गुहार लगाई है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए थे। इनमें सबसे प्रमुख कदम सिंधु जल संधि को स्थगित करना था। भारत और पाकिस्तान ने 1960 में इस संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद से यह लगातार जारी थी। पाकिस्तान का ताजा बयान उसके सेना प्रमुख असीम मुनीर की भारत को दी गई परमाणु धमकी के बाद आया है।

मध्यस्थता न्यायालय के फैसले का किया स्वागत : पाकिस्तान के विदेश

कार्यालय ने एक बयान में कहा कि इस्लामाबाद सिंधु जल संधि के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है और यह भी उम्मीद करता है कि भारत संधि के सामान्य कामकाज को तुरंत बहाल करेगा। इसके साथ ही उसने 8 अगस्त को मध्यस्थता न्यायालय से सिंधु जल संधि से संबंधित की गई व्याख्या का स्वागत किया। हालांकि, भारत ने स्थायी मध्यस्थता न्यायालय को कभी मान्यता नहीं दी है और इसकी कार्यवाही को खारिज कर दिया था। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने व्याख्या को लेकर कहा है कि भारत पश्चिमी नदियों के पानी को पाकिस्तान के अप्रतिबंधित उपयोग के लिए 'बहने देगा'। इस संबंध में हाइड्रो पावल प्लांट के उत्पादन के लिए निर्दिष्ट अपवाद संधि में निर्धारित आवश्यकताओं के अनुरूप होने चाहिए। बयान में आगे कहा गया कि सिंधु जल संधि को स्थगित रखने की भारत की हालिया घोषणा और मध्यस्थता न्यायालय की कार्यवाही का बहिष्कार करने के उसके पूर्व निर्णय के मद्देनजर यह फैसला खास महत्व रखता है।

बिलावल भुट्टो की धमकी

इस बीच पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने सिंधु जल संधि को लेकर भारत को युद्ध की धमकी दी है। बिलावल भुट्टो ने गीदड़ भभकी देते हुए कहा कि अगर भारत ने सिंधु के पानी का बहाव रोकने की कोशिश की तो युद्ध छिड़ जाएगा। वे सोमवार को पाकिस्तान के सिंध प्रांत की सरकार के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का हर नागरिक जंग लड़ने के लिए तैयार है।

बाढ़ 24 घंटों में हुई मूसलाधार बारिश से नदियां उफान पर, 32 टीमें लगीं

बाढ़ से 17 लाख से अधिक लोग प्रभावित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना। बिहार में बीते 24 घंटों में हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं और बाढ़ से 17 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बताया गया कि राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफऔर एसडीआरएफकी कुल 32 टीमों को लगाया गया है।

इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, कि भोजपुर, पटना, भागलपुर, वैशाली, लखीसराय, सारण, मुंगेर, खगड़िया, सुपौल और बेगूसराय सहित विभिन्न जिलों में लगातार बारिश से नदियां और नाले उफान पर हैं। इसके अलावा नेपाल में भारी बारिश के कारण कई जगहों पर नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है।

बिहार में नदियों का जलस्तर बढ़ा : राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने एक

बयान में कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई बारिश के चलते गंगा, कोसी, बागमती, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और घाघरा नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। विभाग ने बताया कि राज्य में 10 जिलों के 1,144 गांवों के 17,62,374 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं तथा प्रभावित इलाकों में बचाव कार्य के लिए करीब 1,160 नाव लगाई गई हैं। बयान में कहा गया कि बिहार के किसी भी हिस्से से अब तक किसी की मौत की खबर नहीं है।

जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने कहा के बिहार में कई नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि और नेपाल स्थित गंडक एवं कोसी नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के मद्देनजर, जल संसाधन विभाग के सभी संबंधित प्रकोष्ठों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया गया है।

'मुझसे पंगा नहीं लेंगे, पहले 2 मिनट में ही पता चल जाएगा...'

पुतिन से मुलाकात से पहले बोले ट्रंप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शुक्रवार को होने वाली शिखर वाताज़ से पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने दोनों देशों के बीच सामान्य व्यापार की संभावना जताई और कहा कि उन्हें मुलाकात के पहले दो मिनट में ही पता चल जाएगा कि कोई समझौता हो सकता है या नहीं।

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें ऐसा समय दिखाई देता है जब अमेरिका और रूस के बीच सामान्य व्यापार हो सकता है, तो ट्रंप ने कहा, 'हां, मुझे लगता है। रूस के पास जमीन का एक बहुत ही कीमती टुकड़ा है। अगर व्लादिमीर पुतिन

युद्ध के बजाय व्यापार की ओर रुख करते हैं तो। मेरे एक दोस्त ने कहा था कि रूस इसलिए कठोर है क्योंकि वो बस लड़ते रहते हैं।'

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हम व्लादिमीर पुतिन के साथ एक बैठक करने जा रहे हैं और उस बैठक के अंत में, शायद पहले दो मिनट में, मुझे ठीक-ठीक पता चल जाएगा कि कोई समझौता हो सकता है या नहीं।